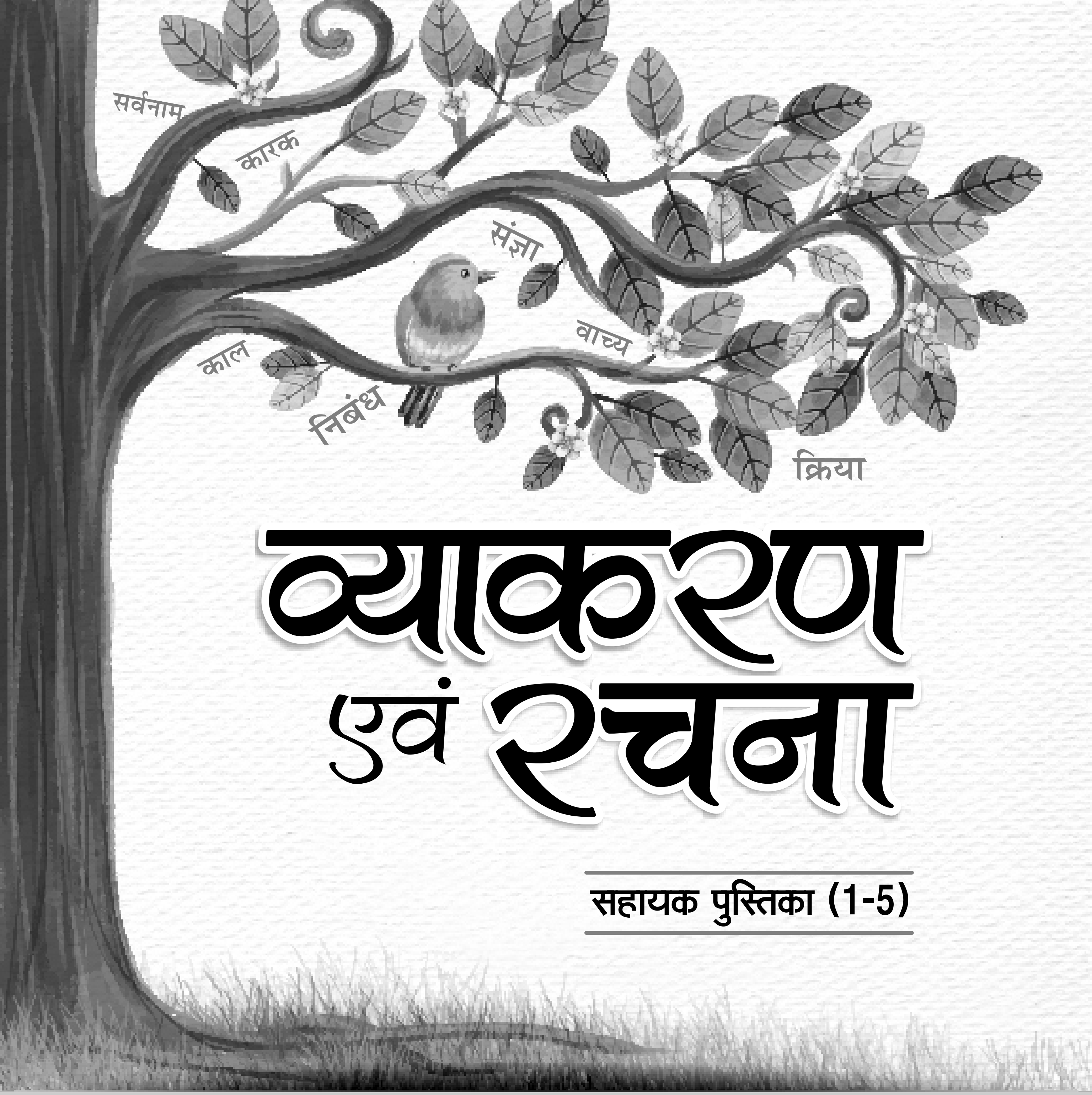

व्याकरण एवं रचना

सहायक पुस्तिका (1-5)

United Books

भाग –1 ... 2
भाग –2 ... 8
भाग –3 ...13
भाग –4 ...20
भाग –5 ...30

व्याकरण – 1

1 भाषा (Language)

मौखिक

1. मन की बातों को दूसरों तक पहुँचाना और दूसरों की बातों को समझना, भाषा कहलाती है।
2. भाषा के दो रूप होते हैं— मौखिक और लिखित।
3. लिखते समय हम भाषा के लिखित रूप का प्रयोग करते हैं।

लिखित

1. (क) बोलकर, (ख) सुनकर, (ग) दो, (घ) टाँय-टाँय
2. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✗
3. (क) (v); (ख) (vi); (ग) (iv); (घ) (iii); (ङ) (ii); (च) (i)

2 वर्ण एवं वर्णमाला (Letters and Alphabet)

मौखिक

1. बोलते समय हमारे मुख से ध्वनियाँ समूह में निकलती हैं। यही ध्वनियाँ वर्ण कहलाती हैं।
2. वर्ण दो प्रकार के होते हैं— स्वर तथा व्यंजन।
3. वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

लिखित

1. (क) टुकड़े, (ख) वर्ण, (ग) अयोगवाह, (घ) वर्णमाला
2. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓
3. (क) मच्छर; (ख) फल; (ग) पुस्तक
4. (क) बाजा; (ख) छतरी; (ग) मोर; (घ) किताब; (ङ) अखबार

3 मात्राएँ (Signs of Vowels)

मौखिक

1. स्वरों के निश्चित चिह्न मात्रा कहलाते हैं।
2. सभी व्यंजनों में 'अ' स्वर होता है।
3. 'र' के साथ 'उ' या 'ऊ' की मात्रा इसके बीच में लगती हैं।

लिखित

1. (क) रूप, (ख) मात्रा, (ग) नीचे, (घ) भालू, (ङ) कृषक
2. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✗
3. (क) घड़ी; (ख) चिड़िया; (ग) चुहिया; (घ) कोयल; (ङ) खिलौना; (च) भाषा

4 शब्द और वाक्य (Words and Sentences)

मौखिक

1. वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

2. दो या दो से अधिक शब्दों के सार्थक मेल को वाक्य कहते हैं।

3. वाक्यों के मेल से भाषा बनती है।

लिखित

1. (क) शब्द, (ख) वाक्य, (ग) भाषा, (घ) गलत

2. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗

3. (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (ii); (घ) (i)

4. (क) बालक दौड़ रहा है।
(ख) सोना नाच रही है।
(ग) अध्यापिका किताब पढ़ा रही हैं।
(घ) हाथी जोर से चिंघाड़ता है।

5. (क) बरगद; (ख) शरबत; (ग) मछली; (घ) कहानी; (ङ) लड़की; (च) अध्यापक

5 संज्ञा (Noun)

मौखिक

1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

2. प्राणियों के नाम– गौरी, रघु। वस्तुओं के नाम– पतंग, पुस्तक।

3. वस्तुओं के नाम– मेज, कुर्सी, टेलीफोन, बेंच, टेलीविजन।

लिखित

1. (क) किताब; (ख) फल; (ग) फूल; (घ) सन्तरे

2. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗

3. (क) तोता, आम; (ख) हिना; (ग) मोना; (घ) रोहित, छत

4. प्राणी– तितली, महात्मा गांधी, मलाला
वस्तु– जहाज, लूडो, वाशिंग मशीन
स्थान– राष्ट्रपति भवन, हवामहल, स्कूल
भाव– क्रोध, बुढ़ापा, बचपन

6 लिंग (Gender)

मौखिक

1. पुरुष या स्त्री जाति को बताने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।

2. स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

3. गुड़िया का पुल्लिंग गुड्डा होता है।

लिखित

1. (क) हाथी; (ख) भाई; (ग) घोड़ा; (घ) गुड्डा
2. पुल्लिंग – बंदर, बैल, राजा, पिता, बच्चा, हिरन
   स्त्रीलिंग – गायिका, गाय, अध्यापिका, मुर्गी, औरत, घोड़ी
3. (क) बकरी, स्त्रीलिंग; (ख) गाय, स्त्रीलिंग ; (ग) धोबी, पुल्लिंग ; (घ) अध्यापिका, स्त्रीलिंग ; (ङ) शेर, पुल्लिंग ; (च) मुर्गी, स्त्रीलिंग ; (छ) नाई, पुल्लिंग ; (ज) बैल, पुल्लिंग
4. (क) देवी; (ख) हथिनी; (ग) बहन; (घ) मुर्गी; (ङ) दादी; (च) गुड़िया

7 वचन (Number)

मौखिक

1. संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।
2. एक से अधिक संख्या बताने वाले शब्द बहुवचन कहलाते हैं।
3. 'ऋतु' का बहुवचन 'ऋतुएँ' होता है।

लिखित

1. (क) वचन; (ख) दो; (ग) बहुवचन; (घ) पुस्तकें; (ङ) गुड़ियाँ
2. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗
3. (क) मेजें; (ख) सड़क; (ग) तितली; (घ) गेंदें; (ङ) साड़ियाँ; (च) बुढ़ी; (छ) पेंसिल; (ज) कमरे
4. (क) माला–एकवचन; (ख) पेंसिलें–बहुवचन; (ग) कुत्ता–एकवचन; (घ) लड़की–एकवचन
5. (क) पुस्तक–पुस्तकें; (ख) अध्यापिका–अध्यापिकाएँ; (ग) पौधा–पौधे; (घ) चिड़िया–चिड़ियाँ
6. (क) किताबें; (ख) अंडे; (ग) माला; (घ) गायें; (ङ) रुपया।

8 सर्वनाम (Pronoun)

मौखिक

1. संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
2. सर्वनाम– मैं, हम, तुम, तुम्हारा, वह, वे, यह, ये आदि।
3. हम पिताजी के लिए 'आप' सर्वनाम का प्रयोग करते हैं।

लिखित

1. (क) अपना; (ख) वह; (ग) अपने; (घ) उसकी; (ङ) मैं
2. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓
3. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iii); (घ) (i); (ङ) (i); (च) (iii); (छ) (ii); (ज) (i)
4. (क) अपनी; (ख) तुम; (ग) तुम; (घ) हमें
5. नाम वाले शब्द – पंखा, झोंपड़ी, आम, बच्चा, केला, कमल, कानपुर, बन्दूक
   नाम के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द –वे, ये, वह अपना, तुम्हारा, तुम, हम, यह

9 विशेषण (Adjective)

मौखिक

1. संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
2. 'लाल गुलाब' में 'लाल' शब्द विशेषण है।

लिखित

1. (क) लाल; (ख) मीठा; (ग) साफ; (घ) सुन्दर; (ङ) ठण्डी।
2. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓
3. (क) मोटा; (ख) नीली; (ग) हरा; (घ) बुढ़ा; (ङ) लम्बा; (च) स्वादिष्ट; (छ) लाल; (ज) ठण्डी; (झ) रंग-बिरंगे
4. स्वयं करें।

10 क्रिया (Verb)

मौखिक

1. जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना पाया जाता है, उन्हें क्रिया शब्द कहते हैं।
2. अपने आप होने वाले काम घटना कहलाते हैं।
3. 'खाती' शब्द काम बताने वाला शब्द है।

लिखित

1. (क) जाता; (ख) पढ़ता; (ग) खेलता; (घ) बदलता
2. (क) करती है; (ख) खा रही है; (ग) जा रहे हैं; (घ) पीता है; (ङ) खेल रही है
3. (क) गाना; (ख) उड़ना; (ग) सोना; (घ) पढ़ना; (ङ) तैरना; (च) दौड़ना; (छ) हँसना; (ज) पढ़ाना; (झ) कूदना

11 विलोम शब्द (Antonyms)

मौखिक

1. जिन शब्दों का अर्थ एक-दूसरे का उलटा या विपरीत हो, उन्हें विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।
2. आकाश-पाताल, लाभ-हानि।
3. आकाश का विलोम पाताल है।

लिखित

1. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (ii)
2. (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (ii); (घ) (v); (ङ) (i); (च) (viii); (छ) (vi); (ज) (vii)
3. (क) अस्त; (ख) अन्दर; (ग) भलाई; (घ) सुख
4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

12 पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

मौखिक

1. जिन शब्दों का अर्थ लगभग एक समान होता है, उन्हें पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं।

2. पर्यायवाची शब्दों से हमारा शब्दकोश बढ़ता है।

3. जल– पानी, वारि, नीर
पेड़– वृक्ष, तरु, विटप

लिखित

1. (क) (ii); (ख) (i)

2. (क) कुसुम, सुमन, पुष्प; (ख) मेघ, घन, जलद; (ग) दिनकर, रवि, प्रभाकर; (घ) खग, विहग, परिन्दा

3. (क) दिन – दिवस, वार, वासर
(ख) घन – बादल, मेघ, वारिद
(ग) आग – अग्नि, अनल, पावक
(घ) देवता – सुर, देव, भगवान
(ङ) जल – पानी, वारि, नीर
(च) पेड़ – वृक्ष, तरु, द्रुम

13 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substituion)

1. (क) मैं **आस्तिक** हूँ।
(ख) किसान **परिश्रमी** होते है।
(ग) लालकिला **ऐतिहासिक** स्थान है।

2. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (iv); (घ) (i)

3.

[1] नि	रा	[2] का	र			
का		ल्प				
ह		नि				
		[3] क	टु	[4] भा	षी	
				र		
				ती		
	[5] द	र्श	[6] नी	य		
			र			[9] ह
			[7] स	[8] ह	पा	ठी
				क		
				ला		

14 पत्र-लेखन (Letter Writing)

1. (क) (iii); (ख) (i)

15 कहानी-लेखन (Story Writing)

1. (क) (i); (ख) (iii)

16 निबन्ध-लेखन (Essay Writing)

1. (क) (i); (ख) (iii); (ग) (iii)

व्याकरण – 2

1 भाषा (Language)

मौखिक

1. बोलकर
2. भाषा के दो प्रकार हैं।
3. चार कौशल हैं।

लिखित

1. (क) (i); (ख) (ii)
2. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗
3. (क) (iv); (ख) (i); (ग) (ii); (घ) (iii)

2 वर्ण एवं वर्णमाला (Letters and Alphabet)

मौखिक

1. ध्वनि का वह रूप जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाता है।
2. वर्ण दो प्रकार के होते हैं।

लिखित

1.

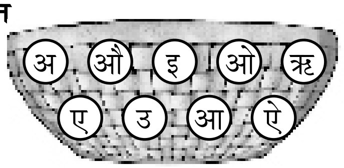

स्वर

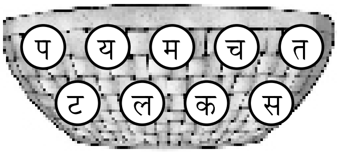

व्यंजन

2. ओखली, बतख, पतंग, ऋषि
3. स्वर– 11 ; व्यंजन– 33

3 मात्राएँ (Signs of Vowels)

मौखिक

1. वर्णों को लिखने के लिए जो चिह्न बनाए गए हैं, वे स्वर कहलाते हैं।
2. 'अ' स्वर की।

लिखित

1. (क) कबूतर; (ख) तरबूज; (ग) चमेली; (घ) मछली; (ङ) मोर; (च) चाँद
2. (क) मोर; (ख) खरगोश; (ग) हिरन; (घ) फूल
3.

(क) हिरन	ी	(i) पौधे
(ख) कील	ि	(ii) जतिन
(ग) सुमन	ौ	(iii) भुवन
(घ) कृषक	ृ	(iv) जीत
(ङ) नौकर	ु	(v) तृण

4 शब्द और वाक्य (Words and Sentences)

मौखिक

1. वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।
2. शब्दों के सही मेल से वाक्य बनते हैं।

लिखित

1. (क) नाच; (ख) केला; (ग) पिघल; (घ) बजा
2. (क) कमल; (ख) सड़क; (ग) भवन; (घ) बरतन
3. (क) आसमान में पक्षी उड़ रहे हैं।
   (ख) अमन पढ़ रहा है।
   (ग) हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है।
   (घ) मैं प्रतिदिन विद्‌यालय जाता हूँ।
4. (क) हलवाई गरम-गरम जलेबी बना रहा है।
   (ख) महिला भोजन पका रही है।
   (ग) दर्जी कपड़े सिल रहा है।
   (घ) गाय मैदान में घास चर रही है।

5 संज्ञा (Noun)

मौखिक

1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. स्वयं करें।

लिखित

1. (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (i); (घ) (ii)
2. (क) आम; (ख) ताजमहल; (ग) नींबू; (घ) कक्षा
3. (क) वस्तु; (ख) पक्षी; (ग) सब्ज़ी; (घ) कीट
4. डॉक्टर; गुलाम; हाथ; मटर; विद्यालय; किसान; चॉकलेट

6 लिंग (Gender)

मौखिक

1. संज्ञा के जिस रूप से पुरुष जाति या स्त्री जाति का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।
2. लिंग के दो भेद हैं।

लिखित

1. (क) सेविका; (ख) घोड़ी; (ग) पुत्री; (घ) बकरी; (ङ) दादी; (च) भाई
2. (क) (iv); (ख) (i); (ग) (ii); (घ) (iii)
3. पुरुष जाति (पुल्लिंग) – देवता, राजा, चूहा, लड़का, मामा, चाचा
   स्त्री जाति (स्त्रीलिंग) – पड़ोसन, मोरनी, घोड़ी, नानी, दादी, माता

7 वचन (Number)

मौखिक

1. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।
2. वचन दो प्रकार के होते हैं।

लिखित

1. (क) पेन्सिलें; (ख) बस्ते; (ग) लड़के; (घ) पत्ते; (ङ) सन्तरे; (च) घोड़े; (छ) पुस्तकें; (ज) जूते
2. (क) एकवचन; (ख) बहुवचन
3. (क) बहुवचन; (ख) एकवचन; (ग) एकवचन; (घ) बहुवचन; (ङ) बहुवचन; (च) एकवचन; (छ) बहुवचन; (ज) एकवचन

8 सर्वनाम (Pronoun)

मौखिक

1. नाम की जगह प्रयोग किए गए शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
2. मैं, वह, यह, हम, वे, ये आदि।

लिखित

1. तुम; हम; मैं; अपना
2. (क) मैं; (ख) मैंने; (ग) मुझे; (घ) यह; (ङ) इसके; (च) इसकी

9 विशेषण (Adjective)

मौखिक

1. संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
2. लाल, मीठा, ऊँचा, दस, चतुर आदि।
3. सेब का रंग लाल होता है।

लिखित

1. (क) पाँच; (ख) काला; (ग) गोल; (घ) मीठा; (ङ) हरी
2. (क) सात; (ख) भूरा, मोटा; (ग) लाल
3. (क) पीला; (ख) हरा; (ग) गोल

10 क्रिया (Verb)

मौखिक

1. किसी काम के होने या करने का बोध कराने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।
2. हँसना, खेलना, देखना, पीना आदि।

लिखित

1. (क) चमकती; (ख) चिंघाड़ता; (ग) दौड़ता; (घ) बहती; (ङ) रेंगता; (च) चहचहाती
2. (क) पढ़ता है; (ख) गाता है; (ग) नहाता है; (घ) बोलती है; (ङ) बहता है; (च) खाता है
3. (क) पढ़; (ख) पढ़ा; (ग) दे; (घ) तैर; (ङ) नाच

11 विलोम शब्द (Antonyms)

मौखिक

1. विपरीत अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।
2. अमीर–गरीब ; सरल–कठिन

लिखित

1. (क) कम; (ख) सरल; (ग) नीचा; (घ) सायं; (ङ) नवीन
2. (क) (v); (ख) (vi); (ग) (i); (घ) (ii); (ङ) (iii); (च) (iv)
3. (क) गरीब; (ख) छोटा; (ग) अयोग्य; (घ) मरण; (ङ) कठिन

12 पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

मौखिक

1. समान अर्थ वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
2. चाँद, शशि, इन्दु।
3. पवन, समीर

लिखित

1. (क) महिला, नारी; (ख) सरिता, सलिला; (ग) रवि, दिवाकर; (घ) पहाड़, गिरि; (ङ) अग्नि, अनल; (ङ) पुष्प, सुमन
2. पुष्प, सुमन, पुहुप ; वायु, समीर, पवन ; भूपति, अवनीश, राजा
3. (क) नारी, औरत; (ख) सरिता, सलिला; (ग) नेत्र, नयन; (घ) मेघ, नीरद

13 मुहावरे (Idioms)

मौखिक

1. ऐसे शब्दों का समूह जिसका विशेष अर्थ होता है मुहावरा कहलाता है।
2. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) मुहावरा; (ख) चुगली करना; (ग) बहुत अधिक प्यारा; (घ) प्यार से मिलना
2. (क) हाथ मिलाना – सुलह करना
   वाक्य प्रयोग – आखिर दोनों दलों ने हाथ मिला लिया।

(ख) ईद का चाँद होना – बहुत दिनों बाद दिखाई देना

वाक्य प्रयोग – जब से रितेश की नौकरी लगी है वह ईद का चाँद हो गया है।

(ग) चल बसना – मर जाना

वाक्य प्रयोग – राज किशोर का बेटा भरी जवानी में चल बसा।

(घ) ढोल पीटना – डोंडी पीटना

वाक्य प्रयोग – राहुल सारे मुहल्ले में ढोल पीटता घूम रहा हैं।

3. (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (ii); (घ) (i)

14 अपठित गद्यांश (Unseen Passages)

(क) 1. (ख); 2. (ग); 3. (घ); 4. (ग)

(ख) 1. (घ); 2. (क); 3. (ग); 4. (ख); 5. (घ)

व्याकरण – 3

1 भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

मौखिक

1. हम अपने मन की बात बोलकर और लिखकर प्रकट करते हैं।
2. किसी भाषा को लिखने का ढंग उसकी लिपि कहलाता है।
3. व्याकरण भाषा को शुद्ध बोलना, लिखना सिखाता है।

लिखित

1. (क) मौखिक; (ख) लिखकर; (ग) लिपि; (घ) देवनागरी; (ङ) 14 सितंबर
2. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓
3. (क) (iv); (ख) (iii); (ग) (i); (घ) (ii)
4. (क) प्रांत– पंजाब, भाषा– पंजाबी ; (ख) प्रांत– तमिलनाडु, भाषा– तमिल ; (ग) प्रांत– गुजरात, भाषा– गुजराती
5. (क) अपने मन के भाव दूसरों तक पहुँचाने तथा दूसरों के मन की बात को समझने का साधन भाषा कहलाता है।
   (ख) किसी भाषा को लिखने का ढंग उसकी लिपि कहलाता है। हिन्दी की लिपि देवनागरी, पंजाबी की लिपि गुरुमुखी, उर्दू की लिपि फारसी है।
   (ग) व्याकरण वह शास्त्र है, जो हमें भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना, बोलना सिखाता है। व्याकरण भाषा को अपने नियमों में बाँधकर उसे और सुन्दर बनाता है।
   (घ) व्याकरण हमें भाषा को शुद्ध लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाता है। किसी भाषा को लिखने का ढंग कहलाता है।

2 वर्णमाला (Alphabet)

मौखिक

1. मुख से निकली छोटी-छोटी ध्वनियाँ वर्ण कहलाती है।
2. शब्द
3. संयुक्त व्यंजन

लिखित

1. (क) लाल किला; (ख) बगीचा; (ग) लालटेन; (घ) फलवाला; (ङ) अचानक
2. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✗
3. (क) कक्षा, क्षत्रिय, रक्षा ; (ख) त्रिशुल, त्रिदेव, छात्र ; (ग) ज्ञानी, यज्ञ, विज्ञान ; (घ) श्रमिक, श्रवण, श्रद्धा
4. स्वर– ए, इ, ओ, उ, ऊ, ई, ऐ, आ
   व्यंजन– द, स, ल, म, य, र, न, ठ
5. (क) जिस ध्वनि के और टुकड़े न किए जा सके, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं।
   (ख) जिन वर्णों को बोलने में दूसरे वर्णों (स्वरों) की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।
   (ग) दो व्यंजनों से बने ऐसे शब्द जिनकी मूल पहचान बिलकुल समाप्त हो जाए, तो वे संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। ज्ञ = ज्ञानी, यज्ञ ; श्र = श्रमिक, श्रेणी।
   (घ) वर्णों की क्रमबद्ध सारणी या निश्चित क्रम को वर्णमाला कहते हैं।

3 मात्राएँ (Signs of Vowels)

मौखिक

1. मात्रा ; **2.** अ ; **3.** बीच में

लिखित

1. (क) कृ; (ख) तो; (ग) पै; (घ) फ; (ङ) खि; (च) मा

2. (क) पपीता; (ख) चाकू; (ग) गोभी; (घ) कृष्ण; (ङ) लोकी; (च) नारियल

3. (क) सल; (ख) खर; (ग) घड़; (घ) बल; (ङ) छत; (च) अरत

4. (क) व्यंजन के बाद जब किसी स्वर का प्रयोग किया जाता है, तो इसका रूप बदल जाता है। इस बदले रूप को ही मात्रा कहते हैं।

(ख) अं, अँ, अः शब्दों को अयोगवाह कहते हैं– अं– अंग, भंग ; अँ– आँख, चाँद ; अः– प्रातः, पुनः

(ग) रु– रुपया, रुकावट, रुचि ; रू– डमरू, अमरूद, रूप

4 शब्द और वाक्य (Words and Sentences)

मौखिक

1. शब्द

2. उद्देश्य

लिखित

1. (क) मछली; (ख) जलेबी; (ग) किसान; (घ) बरतन; (ङ) ताजमहल; (च) रजाई

2. (क) कोयल; (ख) जयपुर; (ग) सुबह; (घ) सूरज; (ङ) हरा-भरा

3. म, गु, कि

4. (क) उद्देश्य– कोयल ; विधेय – मीठे स्वर मे गाती है।

(ख) उद्देश्य– बच्चे ; विधेय – क्रिकेट खेल रहे हैं।

(ख) उद्देश्य– मम्मी ; विधेय – खाना बना रही हैं।

(ख) उद्देश्य– दादी ; विधेय – कहानी सुना रही हैं।

(ख) उद्देश्य– बच्चे ; विधेय – परिवार के साथ टी०वी० देख रहे हैं।

5.

व्यंजन	✓	गाजर	✓	बरगद	✓	आजईब	✗
परेकार	✗	तरबुअ	✗	पपीता	✓	बसीन	✗

6. (क) रसोई में टोकरी रखी है। (ख) शीना कार से आई।

(ग) गन्ने में मिठास है। (घ) प्रवीण घूम रहा है।

(ङ) अदिति अच्छी लड़की है।

7. (क) वर्णों का ऐसा समूह जिसका कोई अर्थ निकलता हो, शब्द कहलाता है।

(ख) शब्दों का वह समूह जिसका कोई अर्थ निकलता हो, वाक्य कहलाता है।

(ग) उद्देश्य– वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं; जैसे– किसान हल चलाता है। भालू नाच रहा है। मछलियाँ पानी में तैरती हैं।

विधेय– वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में किसान, भालू, मछलियाँ उद्देश्य हैं और हल चलाता है, नाच रहा है, पानी में तैरती हैं, विधेय हैं।

5 संज्ञा (Noun)

मौखिक

1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा शब्द सभी नामों के लिए आते हैं।
3. स्वयं करें।

लिखित

1. स्वयं करें
2. (क) जल; (ख) महात्मा गांधी; (ग) हिमालय; (घ) ब्रह्मपुत्र; (ङ) देशभक्ति
3. (क) सन् 2014 के भारत रत्न पुरस्कार अटल बिहारी वाजपेयी तथा पं० मदनमोहन मालवीय (मरणोपरान्त) को मिले।
(ख) 26 मई, सन् 2014 को नरेन्द्र मोदी भारत के 15वें प्रधानमन्त्री बने।
(ग) मेरी कॉम बॉक्सिंग की प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं।
(घ) मिल्खा सिंह एक प्रसिद्ध धावक हैं।
(ङ) अमेरिका के राष्ट्रपति का निवास व्हाइट हाउस, वाशिंगटन में है।
4. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓
5. (क) किसी वस्तु, प्राणी, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– मेज, मेरठ आदि।
(ख) संज्ञा के तीन भेद होते हैं–
व्यक्तिवाचक संज्ञा– हिमालय, नई दिल्ली
जातिवाचक संज्ञा – शेर, हाथी
भाववाचक संज्ञा – बचपन, बुढ़ापा

6 संज्ञा के विकार : लिंग (Declension of Noun : Gender)

मौखिक

1. स्त्री या पुरुष जाति का ज्ञान कराने वाले शब्द के रूप को लिंग कहते हैं।
2. स्त्रीलिंग और पुल्लिंग
3. रानी, पुत्री

लिखित

1. (क) बहन; (ख) चुहिया; (ग) बैल; (घ) मोरनी; (ङ) अध्यापिका
2. (क) रजनी किताब पढ़ रही है। (ख) हथिनी गन्ना खा रही है।
(ग) शेरनी दहाड़ रही है। (घ) राजा महल में बैठा है।
(ङ) घोड़ी दौड़ रही है।
3. पुल्लिंग – पड़ोसी, मालिक, बिलाव, बैल, पोता, कुत्ता
स्त्रीलिंग – नायिका, बालिका, चींटी, मुर्गी, मालकिन, सेठानी
4. (क) (ii); (ख) (v); (ग) (iv); (घ) (i); (ङ) (iii)
5. (क) स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं। लिंग के दो भेद हैं।
(ख) जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं; जैसे– भाई, मौसा।
(ग) जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे – बहन, मौसी।

7 संज्ञा के विकार : वचन (Declension of Noun : Number)

मौखिक

1. वचन

2. वचन के दो प्रकार हैं।

3. कपड़े, मिठाइयाँ

लिखित

1. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

2. (क) बहुवचन; (ख) एकवचन; (ग) बहुवचन; (घ) एकवचन; (ङ) एकवचन; (च) बहुवचन

3. (क) झूला-झूलें; (ख) केले-केला; (ग) शेर; (घ) बच्चा-बच्चे

4. (क) लड़कियाँ अपनी गुड़ियाँ सजाएँगी। (ख) बाग में एक मोर नाच रहा है।
(ग) छात्राओं ने मिठाइयाँ खा ली हैं। (घ) बच्चा एक खेल खेल रहा है।
(ङ) कमरों में चाबियाँ रखी हैं।

5. (क) शब्दों का वह रूप जिससे उसके द्वारा बताई गई वस्तुओं की संख्या का एक या एक से अधिक होने का ज्ञान होता है, वचन कहलाता है। जैसे– घड़ी-घड़ियाँ, बच्चा-बच्चे।
(ख) वचन दो प्रकार के होते हैं।
एकवचन – शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चलता है, उसे एकवचन कहते हैं, जैसे– लोमड़ी, कार आदि।
बहुवचन – शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे– लोमड़ियाँ कारें आदि।

8 सर्वनाम (Pronoun)

मौखिक

1. सर्वनाम

2. सर्वनाम के प्रयोग से भाषा सरल और आकर्षक हो जाती है।

3. मैं, हम, तुम, वह, वे आदि।

लिखित

1. (क) तुम; (ख) मैं; (ग) मैं; (घ) वे

2. (क) यश ने कहा कि उसको आम पसंद हैं।
(ख) चमन के भाई ने उसको पार्क में घुमाया।
(ग) मीना अपनी सहेली से साइकिल चलाना सीख रही है।
(घ) माताजी ने उससे कहा कि उसका चित्र बहुत सुंदर है।

3. क्या, उनका, उन्होंने, तुम्हारा, वह, आप, अनेक

4. (क) सर्वनाम – क्या ; भेद – प्रश्नवाचक
(ख) सर्वनाम – यह, वह अपने आप ; भेद – संकेतवाचक, निजवाचक
(ग) सर्वनाम – अपना, स्वयं ; भेद – निजवाचक
(घ) सर्वनाम – हमें ; भेद – पुरुषवाचक

5. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम के छः भेद हैं–

1. पुरुषवाचक, 2. संकेतवाचक, 3. अनिश्चयवाचक, 4. प्रश्नवाचक, 5. सम्बन्धवाचक, 6. निजवाचक

(ख) **निजवाचक सर्वनाम** – जिन सर्वनाम शब्दों को काम करने वाला अपने लिए प्रयोग करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं, जैसे– अपने आप, स्वयं आदि।

सम्बन्धवाचक सर्वनाम – जिन सर्वनाम शब्दों का दूसरे सर्वनाम शब्दों से सम्बन्ध होता है तथा जो शब्द दो वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– जैसा-वैसा, जो-वह/वे आदि।

(ग) **संकेतवाचक सर्वनाम** – जिन सर्वनामों से हमें किन्हीं निश्चित व्यक्तियों या वस्तुओं का पता चलता है, उन्हें संकेतवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– यह, ये, वह, वे आदि।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम – जिन सर्वनामों से हमें किन्हीं निश्चित व्यक्तियों या वस्तुओं का पता न चले, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कुछ, किसकी, कोई, किसने आदि।

9 विशेषण (Adjective)

मौखिक

1. विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

2. स्वयं करें।

3. स्वयं करें।

लिखित

1. (क) लाल कार, सुंदर कार; (ख) मोटा हाथी, भूरा हाथी; (ग) लम्बा कुतुबमीनार, सुंदर कुतुबमीनार

2. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗

3. (क) आठ; (ख) तीसरी; (ग) गोरा; (घ) पतला; (ङ) बहादुर

4. (क) ऊँचा; (ख) वीर; (ग) नीला; (घ) चौकोर

5. (क) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं।

विशेषण के चार भेद होते हैं– गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, संकेतवाचक

(ख) **विशेष्य**– विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं; जैसे– सुन्दर मोर, मोटा आदमी आदि।

(ग) **संख्यावाचक विशेषण :** वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की संख्या को बताते हैं, संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे–चार तोते, दो कुत्ते।

(घ) **संख्यावाचक विशेषण :** वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की संख्या को बताते हैं, संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे–चार तोते, दो कुत्ते।

परिमाणवाचक विशेषण : वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की माप-तोल बताते हैं, परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे– पाँच मीटर कपड़ा, दो लीटर दूध।

10 क्रिया (Verb)

मौखिक

1. क्रिया

2. उगना

3. हँसना, रोना, उठना, खेलना आदि।

लिखित

1. (क) दे रही है; (ख) चला रहा है; (ग) जल रहा है; (घ) चढ़ रहा है; (ङ) गा रही हैं।

2. (क) पढ़; (ख) पढ़ाया; (ग) बैठ; (घ) जा; (ङ) खिलते

3. चलना, मिलना, देखना, जीतना, खिलाना।

4. (क) नाचना; (ख) पीना; (ग) पढ़ना; (घ) खेलना; (ङ) खाना; (च) पकाना

5. (क) जिन शब्दों से किसी काम के होने या करने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं।

(ख) जो काम किसी मनुष्य के द्वारा किया जाता है, उसे काम (क्रिया) कहते हैं। जैसे– ड्राइवर कार चला रहा है। जो काम अपने आप होता है, उसे घटना कहते हैं जैसे– हवा चल रही है।

(ग) बिना क्रिया के वाक्य अधूरा होता है।

11 पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

मौखिक

1. पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहते हैं।

2. निशा – रात्रि, रात ; गिरि – पहाड़, नग

लिखित

1. (क) नभ; (ख) शशि; (ग) खग; (घ) पुष्प; (ङ) समीर

2. (क) वस्त्र; (ख) उपवन; (ग) नभ; (घ) परिश्रम

3. सुमन, कुसुम, रवि, दिनकर, पेड़, तरु

4. (क) एक जैसा अर्थ या समान अर्थ बताने वाले भिन्न-2 शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

(ख) पर्यायवाची शब्द का दूसरा नाम समानार्थक शब्द है।

(ग) सूरज – रवि, दिनकर ; पेड़ – वृक्ष, द्रुम

12 विलोम शब्द (Antonyms)

मौखिक

1. उलटा अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

2. विलोम शब्द का दूसरा नाम विपरीतार्थक शब्द है।

लिखित

1. (क) उजाला; (ख) बुद्धिमान; (ग) दुखी; (घ) अस्वस्थ; (ङ) पराया; (च) मीठा; (छ) गरीब; (ज) जीत; (झ) दिन; (ञ) पतला

2. (क) नई; (ख) पश्चिम; (ग) एक; (घ) बाहर उजाला; (ङ) तेज

3. (क) निन्दा; (ख) पाताल; (ग) बाहर; (घ) बुद्धिमान; (ङ) वीर

13 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

मौखिक

1. इससे भाषा सरल और प्रभावशाली बन जाती है।

2. विद्यार्थी – विद्या प्राप्त करने ; चिकित्सक – जो इलाज करे।

लिखित

1. (क) निडर; (ख) चिकित्सक; (ग) सहपाठी; (घ) वार्षिक
2. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (v); (घ) (iii); (ङ) (iv)
3. (क) डरपोक; (ख) मांसाहारी; (ग) परिश्रमी; (घ) किसान

14 मुहावरे (Idioms)

मौखिक

1. भाषा में मुहावरों का प्रयोग करके
2. दो तरीकों से
3. पीठ थपथपाना

लिखित

1. (क) कान पर जूँ न रेंगना; (ख) मुँह में पानी आना; (ग) पीठ थपथपाना; (घ) आग बबूला होना; (ङ) आँखों में धूल झोंकना
2. (क) भीगी बिल्ली बनना; (ख) आसमान सिर पर उठाना; (ग) मुँह में पानी आना; (घ) उल्लू बनाना; (ङ) दिन में तारे नजर आना; (च) पेट में चूहे कूदना।
3. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (v); (घ) (ii); (ङ) (vi)
4. (क) की खानी; (ख) का तारा; (ग) कस; (घ) में चूहे कूद; (ङ) तले उँगली दबा

15 अशुद्धि-शोधन (Error-Correction)

मौखिक

1. अशुद्ध उच्चारण, अशुद्ध वर्तनी।
2. आवाज, आशीर्वाद
3. पक्षी डाल पर बैठा है।

लिखित

1. (क) जवाब; (ख) रुपया; (ग) मछली; (घ) इसलिए; (ङ) श्रीमती
2. (क) देखो, बाहर कोई खड़ा है।
   (ख) मैंने तुम्हें कहा था।
   (ग) डाल से फल गिर गया।
   (घ) बच्चे छत पर बैठे हैं।

व्याकरण – 4

1 भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

मौखिक

1. भाषा
2. व्याकरण
3. भाषा को लिखने के लिए निर्धारित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।

लिखित

1. (क) भाषा; (ख) लिखित; (ग) मौखिक; (घ) व्याकरण
2. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓
3. (क) (v); (ख) (iii); (ग) (i); (घ) (ii); (ङ) (iv)
4. (क) अपने मन की बात दूसरों तक पहुँचाने तथा दूसरों के मन की बात समझने का साधन भाषा कहलाती है। भाषा के दो रूप होते हैं—मौखिक और लिखित।
   (ख) किसी भाषा को लिखने के लिए निर्धारित किए गए नियम उसकी लिपि कहलाते हैं।
   (ग) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है। जैसे– नेताजी भाषण दे रही है अशुद्ध रूप है। शुद्ध रूप– नेता जी भाषण दे रहे हैं।
   (घ) हिन्दी और गुजराती भाषा देवनागरी लिपि में, पंजाबी भाषा गुरुमुखी लिपि में, अंग्रेज़ी भाषा रोमन लिपि में, बांग्ला भाषा बंगाली लिपि में तथा उर्दू भाषा फ़ारसी लिपि में लिखी जाती है।

2 वर्ण-विचार (Phonology)

मौखिक

1. वर्ण
2. वर्ण के दो भेद हैं।
3. व्यंजनो के साथ लगने वाले स्वरों के विशेष चिह्न मात्रा कहलाते हैं।

लिखित

1. (क) आग, आदर; (ख) ऐनक, ऐसा; (ग) ऊन, ऊपर; (घ) ओम, ओस
2. (क) तितली; (ख) मौसमी; (ग) लालटेन; (घ) हवामहल; (ङ) ताजमहल
3. (क) भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसके और टुकड़े न किए जा सके, वर्ण कहते हैं।
   (ख) स्वर स्वतन्त्र ध्वनियाँ हैं। इन्हें बोलने में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती। हिन्दी भाषा में स्वरों की संख्या ग्यारह (11) होती है। ये हैं– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।
   व्यंजन स्वतन्त्र ध्वनियाँ नहीं हैं। इन्हें बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है। हिन्दी भाषा में व्यंजनों की संख्या तैंतीस (33) होती है। ये हैं– क्, ख् , ग् , घ् , ङ् , च् , छ् , ज् , झ् , ञ् , ट् , ठ् , ड् , ढ् , ण्, त् , थ् , द् , ध् , न् , प् , फ् , ब् , भ् , म् , य् , र् , ल् , व् , श् , ष् , स् , ह्
   (ग) क्ष, त्र, ज्ञ तथा श्र हिन्दी भाषा के चार संयुक्त व्यंजन हैं। ये दो व्यंजनों के मेल से बने हैं, इसीलिए इन्हें संयुक्त व्यंजन कहा जाता है। इसमें दोनों व्यंजनों की मूल पहचान बिलकुल समाप्त हो जाती है।

(घ) 'र' के अपने कुछ अन्य रूप भी हैं; जैसे– कार्य, सूर्य, ड्रम, ट्रक, क्रम, भ्रम, रथ, रात आदि।
इन सभी शब्दों में 'र' वर्ण का प्रयोग हुआ है, लेकिन सभी का रूप अलग-अलग है। ये कहाँ और कब लगाए जाते हैं; देखिए–
आओ, 'र' वर्ण से बनने वाले कुछ और शब्द देखें–
र – रस, राम, लकीर
र्‍ – खर्च, वर्षा, सर्प
‸ – ड्रामा, ट्रेन, राष्ट्र
्र – प्रथम, ग्राहक, समुद्र

3 शब्द-विचार (Morphology)

मौखिक

1. शब्द
2. अव्यय
3. (क) रूढ़, (ख) यौगिक, (ग) योगरूढ़ शब्द।
4. चार प्रकार के

लिखित

1. नगर, कमल, कटहल, शहद, शलगम, नगर
2. तत्सम शब्द – रात्रि, सूर्य, गौ ; तद्भव शब्द – सूरज, रात, गाय ; विदेशी शब्द – कॉलेज, स्टेशन, क्रिकेट
3. (क) शब्द; (ख) विदेशी; (ग) योगरूढ़; (घ) अविकारी; (ङ) लम्बा पेट।
4. (क) काम; (ख) मुँह; (ग) आग; (घ) दोस्त; (ङ) आम; (च) रात; (छ) दही; (ज) घी; (झ) दाँत
5. (क) शिवालय; (ख) रेलगाड़ी; (ग) चिड़ियाघर; (घ) मेघदूत
6. (क) वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है। शब्द को चार वर्गों में बाँटा गया है–अर्थ के आधार पर, उत्पत्ति के आधार पर, रचना के आधार पर तथा प्रयोग के आधार पर।
(ख) अर्थ के आधार पर शब्द के दो भेद हैं – सार्थक शब्द, निरर्थक शब्द
(ग) उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद हैं–
1. तत्सम, 2. तद्भव, 3. देशज, 4. विदेशी
(घ) **विकारी शब्द**– ऐसे शब्द जिनके रूप में लिंग, वचन, कारक आदि के अनुसार परिवर्तन आ जाता है, विकारी शब्द कहलाते हैं–
जैसे– लड़की पढ़ रही है। (एकवचन) लड़कियाँ पढ़ रही हैं। (बहुवचन)
अविकारी शब्द – ऐसे शब्द जिनके रूप में लिंग, वचन, कारक आदि के अनुसार परिवर्तन नहीं होता, अविकारी शब्द कहलाते हैं जैसे – धीरे, ऊपर, अब आदि।

4 वाक्य-विचार (Etymology)

मौखिक

1. वाक्य
2. वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं।
3. विस्मयादिबोधक वाक्य

लिखित

1. (क) कीवी; (ख) शेर; (ग) हिमालय; (घ) लोमड़ी; (ङ) कृष्ण

2. (क) यह साँप तो बहुत जहरीला है।
(ख) राम ने रावण का वध किया।
(ग) लोमड़ी एक चालाक जानवर होती है।
(घ) राइट बन्धुओं ने वायुयान का आविष्कार किया।
(ङ) वे पुस्तक पढ़ते हैं।

3. (क) परीक्षा में सफलता के लिए हमें परिश्रम करना चाहिए।
(ख) विराट कोहली क्रिकेट का अच्छा खिलाड़ी है।
(ग) धोबी कपड़ा धोता है।
(घ) गुलाब के फूलों में खुशबू होती है।
(ङ) वह परीक्षा में सफल हो गया।

4. (क) शब्दों का ऐसा समूह जिससे बात पूरी तरह से समझ में आ जाए, वाक्य कहलाता है। अथवा शब्दों का सार्थक एवं क्रमबद्ध समूह वाक्य कहलाता है। जैसे – धोनी एकदिवसीय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान हैं।
(ख) वाक्य के दो अंग हैं– उद्देश्य, विधेय
(ग) वाक्य निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं–

1. साधारण वाक्य	अजय खेलता है।
2. प्रश्नवाचक वाक्य	क्या अजय खेलता है?
3. आज्ञार्थक वाक्य	अजय खेलो।
4. विस्मयादिबोधक वाक्य	अरे! अजय खेल रहा है।

5 संज्ञा (Noun)

मौखिक

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

2. संज्ञा के तीन भेद हैं।

3. 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – लाल किला ; 2. जातिवाचक संज्ञा – छात्र ; 3. भाववाचक संज्ञा – बचपन।

लिखित

1. (क) व्यक्तिवाचक; (ख) भाववाचक; (ग) व्यक्तिवाचक; (घ) जातिवाचक; (ङ) जातिवाचक; (च) व्यक्तिवाचक

2. (i) व्यक्तिवाचक संज्ञा – भारत, नवम्बर, फरवरी, सितम्बर, हिन्दी, ताजमहल, चाचा नेहरू
(ii) जातिवाचक संज्ञा – ऋतु, पुस्तक, बच्चे
(iii) भाववाचक संज्ञा – बनावट, प्यार

3. (क) चार मीनार; (ख) धैर्य; (ग) सफलता; (घ) हिन्दी; (ङ) पशु

4. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं, जैसे– मेरठ, मेज, राम, बचपन आदि।
(ख) संज्ञा के तीन भेद हैं – 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा ; 2. जातिवाचक संज्ञा ; 3. भाववाचक संज्ञा
व्यक्तिवाचक संज्ञा : किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
(ग) व्याकरण में संज्ञा के पाँच भेद बताए गए हैं – 1. व्यक्तिवाचक ; 2. जातिवाचक ; 3. भाववाचक ; 4. द्रव्यवाचक ; 5. समूहवाचक

6

संज्ञा के विकार : लिंग
(Declension of Noun : Gender)

मौखिक

1. पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।
2. भाषाओं, लिपियों और झीलों के नाम स्त्रीलिंग में होते हैं।
3. प्रधानमंत्री, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, मन्त्री आदि।

लिखित

1. पुल्लिंग – बगीचा, पेन्सिल, सोना, पंडित, सेठ, ऊँट, डॉक्टर
   स्त्रीलिंग – बकरी, बालिका, धरती, शेरनी, मछली, डॉक्टर।
2. (क) स्त्रीलिंग- चिंकी ; पुल्लिंग- हिरण (ख) स्त्रीलिंग- माताजी ; पुल्लिंग- बाजार
   (ग) स्त्रीलिंग- दादीजी ; पुल्लिंग- बेंच (घ) स्त्रीलिंग- माताजी ; पुल्लिंग- भइया
3. (क) नागिन; (ख) गायक; (ग) वर; (घ) सुता; (ङ) सखी; (च) मालकिन
4. (क) यह गायक बहुत मधुर गाता है।
   (ख) बिल्ला सारा दूध चट कर गया।
   (ग) छात्रा पाठशाला जा रही है।
   (घ) जंगल में हथिनियों का झुंड घूम रहा है।
5. (क) पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द, लिंग कहलाते हैं। जैसे– चूहा, चुहिया, बालक, बालिका आदि।
   (ख) लिंग के दो भेद हैं। 1. पुल्लिंग, 2. स्त्रीलिंग
   (ग) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का वह रूप जो यह बताता है कि वह पुरुष जाति का है, पुल्लिंग कहलाता है; जैसे– शेर, गायक।
   (घ) संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों का वह रूप जो यह बताता है कि वह स्त्री जाति का है, स्त्रीलिंग कहलाता है; जैसे– शेरनी, गायिका।

7

संज्ञा के विकार : वचन
(Declension of Noun : Number)

मौखिक

1. बहुवचन में
2. नहीं
3. लड़के हँस रहे हैं।

लिखित

1. एकवचन – बहू, लड़की, मशीन, कपड़ा, वस्तु, वधू
   बहुवचन – स्त्रियाँ, चिड़ियाँ, पुस्तकें, खबरें, आँखें, मालाएँ
2. (क) साड़ी; (ख) पत्ते; (ग) बच्चा; (घ) दवाई; (ङ) पतंगें
3. (क) कथाएँ ; (ख) पंक्ति ; (ग) वधुएँ ; (घ) परीक्षाएँ ; (ङ) दीवार ; (च) साइकिलें
4. (क) नीलू के पास बहुत-से खिलौने हैं।
   (ख) आसमान में कई चिड़ियाँ उड़ रही हैं।
   (ग) मिठाइयों पर मक्खियाँ भिनभिना रही हैं।
   (घ) मैदान में अनेक बच्चे खेल रहे हैं।
5. (ख), (ग), (ङ), (च), (छ), (ज) सही हैं। (क) व (घ) गलत हैं।

6. (क) शब्द के जिस रूप से उनके द्वारा बताई वस्तुओं या प्राणियों के संख्या में एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, उन्हें वचन कहते हैं। जैसे – लड़का, लड़के, फव्वारा, फव्वारे आदि।

(ख) वचन बदलने पर संज्ञा और क्रिया का रूप भी बदल जाता है; जैसे–

लड़का खेल रहा है।	लड़के खेल रहे हैं।
लड़की हँस रही है।	लड़कियाँ हँस रही हैं।

आपने देखा कि वचन बदलने पर लड़का से लड़के और रहा है से रहे हैं हो गया है। इसी प्रकार लड़की से लड़कियाँ तथा रही है से रही हैं हो गया है।

(ग) वचन के दो भेद होते हैं, ये हैं–

1. **एकवचन :** शब्द के जिस रूप से उसके द्वारा बताई गई वस्तु की संख्या का एक होने का पता चलता है, एकवचन कहलाता है; जैसे–कुरसी, नदी।

2. **बहुवचन :** शब्द के जिस रूप से उसके द्वारा बताई गई वस्तुओं की संख्या का एक से अधिक होने का पता चलता है, बहुवचन कहलाता है; जैसे–कुरसियाँ, नदियाँ।

(घ) कुछ संज्ञा शब्द एकवचन और बहुवचन में एक जैसे रहते हैं; जैसे–
घर, हाथ, साधु, मन्दिर, आँसू, पानी, बादल, जनता, भीड़, आदमी, पेड़, पिता, आदि।

8 सर्वनाम (Pronoun)

मौखिक

1. सर्वनाम **2.** मैं, मेरा, हमारा, हमें आदि। **3.** निजवाचक

लिखित

1. (क) आदर के लिए; (ख) अमित ने अपने लिए; (ग) राम ने मोहन के लिए; (घ) मीरा ने अपने के लिए

2. अमिता ने अपनी सहेली मीरा को अपने घर बुलाया। उसने उसको अपने कमरे में बैठाया और अपने खिलौने और पुस्तकें दिखाईं, फिर उसने अपनी माँ से उसको मिलवाया।

3. (क) तुम अपनी पाठशाला जाओ।
(ख) तुमने उसकी पेन्सिल क्यों ली?
(ग) मैं अपना काम कर रहा था।
(घ) अध्यापिका हमको समझा रही हैं।
(ङ) उमा, जरा देखो, बाहर कोई खड़ा है।

4. (क) सर्वनाम – मैंने, अपनी — सर्वनाम भेद – पुरुषवाचक, निजवाचक
(ख) सर्वनाम – किसी ने — सर्वनाम भेद – अनिश्चयवाचक
(ग) सर्वनाम – कौन — सर्वनाम भेद – प्रश्नवाचक
(घ) सर्वनाम – मैं, स्वंय — सर्वनाम भेद – पुरुषवाचक, निजवाचक
(ङ) सर्वनाम – कोई — सर्वनाम भेद – अनिश्चयवाचक
(च) सर्वनाम – क्या, आप, मेरी — सर्वनाम भेद – प्रश्नवाचक, पुरुषवाचक
(छ) सर्वनाम – खुद — सर्वनाम भेद – निजवाचक

5. (क) वे शब्द जिनका प्रयोग संज्ञा शब्दों के स्थान पर किया जाता है, सर्वनाम शब्द कहलाते हैं।
कुछ सर्वनाम शब्द–यह, वह, ये, वे, मैं।
(ख) सर्वनाम के छः भेद होते हैं, ये हैं–
1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 2. निश्चयवाचक सर्वनाम, 3. प्रश्नवाचक सर्वनाम,
4. निजवाचक सर्वनाम, 5. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 6. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

(ग) **सम्बन्धवाचक सर्वनाम**– जो सर्वनाम शब्द संज्ञा अथवा दूसरे सर्वनामों का परस्पर सम्बन्ध जोड़ते हैं; उन्हें सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहा जाता है; जैसे–
1. जो जैसा करेगा, वह वैसा ही पाएगा। 2. वह वही व्यक्ति है, जो कल आया था।

(घ) **अनिश्चयवाचक सर्वनाम**– जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का कोई निश्चय न हो अर्थात् ठीक-ठाक पता न चले, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–
1. बाहर कोई आया है। 2. रवि कुछ कर रहा है।

9 विशेषण (Adjective)

मौखिक

1. विशेषता

2. विशेष्य

3. जो सर्वनाम शब्द संज्ञा से पहले लगकर उसकी विशेषता बताते हैं, उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

लिखित

1. (क) ऊँची; (ख) एक लीटर; (ग) थोड़ा; (घ) रसीला; (ङ) परिश्रमी; (च) चालाक

2. (क) वीर; (ख) चौबीस; (ग) प्रथम; (घ) खाकी; (ङ) घरेलू

3. (क) विशेषण – बुरी ; विशेष्य – आदत
(ख) विशेषण – सातवाँ ; विशेष्य – स्थान
(ग) विशेषण – कुछ; विशेष्य – लोग
(घ) विशेषण – भारत ; विशेष्य – विकासशील
(ङ) विशेषण – तीन लीटर ; विशेष्य – पानी

4. (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। जैसे– रंग-बिरंगे, कुछ, मीठी आदि।
(ख) विशेषण के चार भेद होते हैं, ये हैं–
1. गुणवाचक विशेषण, 2. परिमाणवाचक विशेषण, 3. संख्यावाचक विशेषण, 4. सार्वनामिक विशेषण
(ग) **परिमाणवाचक विशेषण**– जो शब्द संज्ञा शब्दों की माप-तौल का बोध कराते हैं, परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे– मेरी माँ चार किग्रा चीनी लाई हैं। इस बरतन में दो लीटर तेल आता है। थोड़ा पानी लाओ।
संख्यावाचक विशेषण– जो शब्द संज्ञा शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे– कक्षा में तीन पंखे लगे हैं। राहुल कक्षा में प्रथम आया। दो हिरन जंगल में घूम रहे हैं।
(घ) व्यक्तियों, वस्तुओं या स्थानों के गुण-दोष बताने या उनका मिलान करने को तुलना या विशेषण की अवस्था कहते हैं। जैसे– सुन्दर, सुन्दरतर, सुन्दरतम।

10 क्रिया (Verb)

मौखिक

1. क्रिया

2. अपने आप हो रही है।

3. क्रिया का निर्माण तीन प्रकार से होता है।

लिखित

1. (क) किया; (ख) जा रहे है; (ग) हो रही हैं; (घ) अभिनय करती है; (ङ) खिले हैं।

2. (क) दिल्ली; (ख) मंगलयान; (ग) देश; (घ) स्वाइन फ्लू; (ङ) तारों

3. (क) दो बच्चे बाहर पढ़ रहे हैं।

(ख) माँ अपने बेटे को बुला रही है।
(ग) कुम्हार मिट्टी के बरतन बना रहा है।
(घ) हवा तेज होती जा रही है।
(ङ) हम अपने कपड़े पहन रहे हैं।

4. (क) जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का ज्ञान हो, उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे– बिजली चमक रही है। दरजी कमीज सिल रहा है।
(ख) क्रिया के दो भेद हैं – 1. सकर्मक क्रिया, 2. अकर्मक क्रिया
(ग) क्रिया का निर्माण मुख्य रूप से तीन प्रकार से होता है–
1. **संज्ञा द्वारा**– संज्ञा शब्दों द्वारा भी क्रिया बनाई जाती है; जैसे–

संज्ञा	**क्रिया**
हाथ	हथियाना
धिक्कार	धिक्कारना
अकड़	अकड़ना

2. **धातु द्वारा**– क्रिया का मूल रूप धातु कहलाता है। 'पढ़', 'लिख', 'आ', 'खा', आदि क्रिया की मूल धातुएँ हैं। जब धातु में 'ना' प्रत्यय जोड़ दिया जाता है, तो क्रिया का सामान्य रूप बन जाता है; जैसे–

मूल रूप (धातु)	**सामान्य रूप**
पढ़, लिख, उड़, आ, लड़, उग, चल, देख, रो, खा, नाच, गा आदि।	पढ़ना, लिखना, उड़ना, आना, लड़ना, उगना, चलना, देखना, रोना, खाना, नाचना, गाना, आदि।

3. **विशेषण द्वारा**– विशेषण द्वारा भी क्रिया का निर्माण होता है; जैसे–

विशेषण	**क्रिया**
टिमटिम	टिमटिमाना
भिनभिन	भिनभिनाना
गरम	गरमाना

(घ) वाक्यों में क्रिया के साथ क्या या किसे आदि शब्दों से प्रश्न करने पर जो उत्तर प्राप्त होता है, वही कर्म कहलाता है; जैसे– मदारी क्या दिखा रहा है? उत्तर–खेल (कर्म)

11 काल (Tense)

मौखिक

1. क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते हैं।
2. भूतकाल
3. भविष्यतकाल
4. वर्तमानकाल

लिखित

1. (क) किया; (ख) जाएगा; (ग) मनाया; (घ) होती हैं; (ङ) फेंक रहा है।
2. (क) भविष्यतकाल; (ख) भूतकाल; (ग) वर्तमानकाल; (घ) वर्तमानकाल; (ङ) वर्तमानकाल
3. (क) विश्व पुस्तक मेला 14 फरवरी से 22 फरवरी तक चलेगा।
(ख) मदनमोहन मालवीय बनारस में हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना कर रहे हैं।
(ग) शिखर धवन दक्षिण अफ्रीका के विरूद्ध अच्छा खेल रहे थे।
(घ) गरमियों में दिन बड़े और रातें छोटी होगी।

(ङ) 22 जून को दिन-रात बराबर होते थे।

4. (क) क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं। जैसे– भारत में स्वच्छता अभियान चल रहा है। जल्द ही भारत के महानगरों में मैट्रो दौड़ेगी।

(ख) काल के तीन भेद होते हैं, ये हैं– 1. वर्तमानकाल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यत्‌काल।

भूतकाल–क्रिया के जिस रूप से कार्य के बीते हुए समय में होने का ज्ञान होता है, उसे भूतकाल कहते हैं; जैसे– भारत ने विश्व कप क्रिकेट के दूसरे मैच में अफ्रीका को हराया।

12 पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

मौखिक

1. अर्थ में लगभग समान शब्दों को समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

2. समानार्थी शब्द

3. घोड़ा, तुरंग, घोटक

लिखित

1. (क) नारी; (ख) गिरि; (ग) नीर; (घ) नर; (ङ) आग; (च) सलिला

2. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (v); (घ) (ii); (ङ) (iv)

3. (क) देव, सुर, देवता ; (ख) हिरन, मृग, तुरंग ; (ग) गज, हाथी, हस्ती ; (घ) सरिता, तटिनी, वाहिनी

4. (क) अर्थ में लगभग समान शब्दों को समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे–
सूर्य- सूरज, रवि ; घोड़ा– अश्व, तुरंग

13 विलोम शब्द (Antonyms)

मौखिक

1. विलोम शब्द

2. मौखिक

3. बुद्धिमान

लिखित

1. (क) समाप्त; (ख) अन्तिम; (ग) मूर्ख; (घ) निरादर; (ङ) कठोर; (च) हार

2. (क) (v); (ख) (i); (ग) (iv); (घ) (ii); (ङ) (iii)

3. (क) अहिंसा; (ख) पराजय; (ग) अनुतीर्ण; (घ) दुर्गन्ध; (ङ) ज्ञान, उजाला

4. (क) उलटे अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं, जैसे– काला - गोरा ; मान - अपमान।

(ख) उलटे अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं, जैसे– मोटा - पतला और समान अर्थ बताने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे– वृक्ष– पेड़, तरु, विटप। माँ– जननी, माता, अम्बा।

14 शब्द-समूहों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

मौखिक

1. भाषा सरल और आकर्षक हो जाती है।

2. मांसाहारी

लिखित

1. (क) आस्तिक; (ख) शिक्षक; (ग) यात्री; (घ) कामचोर; (ङ) मूर्तिकार
2. (क) अमूल्य; (ख) कवियित्री; (ग) मांसाहारी; (घ) ग्रामीण
3. (क) गांधीजी सत्यवादी थे। (ख) नरेन्द्र मोदी जी सौभाग्यशाली हैं।
   (ग) कोयल मृदुभाषी है। (घ) ललिता वातूनी है।
   (ङ) नवीन चित्रकार है।

15 विराम-चिह्न (Punctuation Marks)

मौखिक

1. लिखते समय थोड़ा या अधिक रुकने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।
2. विस्मयादिबोधक चिह्न (!)
3. पूर्ण विराम (।)

लिखित

1. (क) कल्पना, उमा, प्रभा तथा श्रद्धा बगीचे में बैठी हैं।
   (ख) छिः! यहाँ कितनी गन्दगी फैली है।
   (ग) नानी ने अपने नातिन से कहा, "चलो, तुम्हें एक कहानी सुनाती हूँ।"
   (घ) जल्दी चलो, देर हो रही है।
   (ङ) आज, नवनीत क्यों नहीं आया?
2. (क) विस्मयादिबोधक ; (ख) अल्प विराम ; (ग) पूर्ण विराम ; (घ) प्रश्नवाचक
3. (क) लिखते समय अपनी बात को सही-सही समझाने के लिए हम जिन चिह्नों का प्रयोग विराम के रूप में करते हैं, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं। जैसे– हामिद ने अपराधी भाव से कहा, "तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, इसीलिए मैंने इसे लिया।"
   (ख) हिन्दी में नीचे दिए गए विराम-चिह्न प्रयुक्त होते हैं–

1. अल्प विराम (,)	जैसे– ऋतु, आशा और टीनू बाज़ार गए।
2. पूर्ण विराम (।)	जैसे– आदेश अपने विद्यालय चला गया।
3. प्रश्नवाचक चिह्न (?)	जैसे– क्या अजय आज दिल्ली जाएगा?
4. निर्देशक चिह्न (–)	जैसे– गांधीजी ने कहा–"सदा अहिंसा का पालन करो।"
5. योजक चिह्न (-)	जैसे– खट-खट, जब-जब, छोटा-बड़ा, आदि।
6. उद्धरण चिह्न ("...")	जैसे– अजय ने कहा–"मैं अवश्य ही खेलूँगा।"
7. विस्मयादिबोधक चिह्न (!)	जैसे– वाह ! यह कितना सुन्दर फूल है।

16 अशुद्धि-शोधन (Error-Correction)

मौखिक

1. अशुद्ध उच्चारण से
2. हम शब्दों तथा वाक्यों को लिखने के नियमों द्वारा अशुद्धियों को दूर कर सकते हैं।
3. अशुद्धियाँ दो प्रकार की होती हैं।

लिखित

1. (क) प्रसाद; (ख) पूज्य; (ग) पुरस्कार; (घ) मिठाइयाँ; (ङ) पत्नी; (च) झूठ; (छ) भूखा; (ज) ज्योति; (झ) परीक्षा
2. (क) कम्प्यूटर; (ख) मुश्किल; (ग) परीक्षा; (घ) दवाइयाँ; (ङ) त्योहार
3. (क) पिताजी दफ्तर जा रहे हैं।
   (ख) भारत में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं।
   (ग) श्रद्धा को ताजा सेब काटकर खिलाओ।
   (घ) मुझे कल दिल्ली जाना है।
   (ङ) कल मेरे चाचाजी कोलकाता जाएँगे।
4. (क) मौखिक तथा लिखित भाषा में अशुद्धियाँ होने के कारण भाषा अशुद्ध हो जाती है।
   (ख) हमें शब्दों तथा वाक्यों को लिखने के नियमों की जानकारी होनी चाहिए। जिसके द्वारा हम भाषा की अशुद्धियों को ठीक कर सकते हैं।

17 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ (Idioms and Proverbs)

मौखिक

1. मुहावरे
2. लोकोक्तियाँ
3. भाषा सुन्दर, प्रभावशाली और सजीव हो जाती है।

लिखित

1. (क) कानों कान खबर न लगी ; (ख) अगूँठा दिखा दिया; (ग) कुत्ते की मौत; (घ) पेट में चूहे कूदने लगे;
   (ङ) भीगी बिल्ली बन गया।
2. (क) (vi); (ख) (viii); (ग) (v); (घ) (iii); (ङ) (vii); (च) (iv); (छ) (ii); (ज) (i)
3. (क) चालाकी भरे काम करना
   इस बालक की सूरत पर मत जाओ। यह बड़ों बड़ों के कान काटता है।
   (ख) बहुत ऊँचा होना
   सभी महानगरों में आसमान से बातें करती इमारतें आपको सर्वत्र दिखाई देंगी।
   (ग) बेशरम व्यक्ति
   कहने से अमित कभी नहीं सुधर सकता क्योंकि वह तो चिकना घड़ा है।
   (घ) गुण के विपरीत नाम
   नाम तो तहसीलदार किन्तु है चपरासी भी नहीं। इसे कहते हैं आँख के अँधे नाम नयनसुख।
   (ङ) अपनी बुराई दिखाई न देना
   सबको सदाचार का उपदेश देते फिरते हो, मगर बेटे की करतूत पर नजर डालकर देखो तब पता चलेगा कि यहाँ तो चिराग तले अँधेरा है।
4. (क) कुछ वाक्य ऐसे होते हैं, जिनका एक विशेष अर्थ होता है; यानि उनका अर्थ उनमें आए शब्दों से अलग होता है। उन्हें हम मुहावरे कहते हैं। पेट में चूहे दौड़ रहे हैं। हमारे कान खड़े हो जाते हैं।
   (ख) लोकोक्ति या कहावतें बहुत दिनों से कहे जाने वाले विशेष अर्थ वाले वाक्य होते हैं।
   आम के आम, गुठलियों के दाम
   (ग) मुहावरों तथा लोकोक्तियों के प्रयोग से भाषा सुन्दर, प्रभावशाली और सजीव हो उठती है, इसीलिए हम मुहावरों तथा लोकोक्तियों का प्रयोग करते हैं।

व्याकरण – 5

1 भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

मौखिक

1. मनुष्य
2. मौखिक
3. व्याकरण

लिखित

1. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗; (ङ) ✗
2. (क) 22; (ख) 14; (ग) फारसी; (घ) बोली; (ङ) भाषा
3. (क) अपनी बात दूसरों तक पहुँचाना व दूसरों के मन की बात समझना ही भाषा कहलाती है। भाषा दो प्रकार की होती है।

   (ख) भाषा का एक दूसरा मौखिक रूप बोली कहलाता है। यह सीमित या बहुत कम क्षेत्रों में बोली जाती है। मराठी, भोजपुरी, वाज्जीका, बुन्देलखंडी, राजस्थानी, हरियाणवी, छत्तीसगढ़ी, अंगिका आदि कई बोलियाँ हैं।

   (ग) भाषा को बोलते समय हमारे मुख से ध्वनियों के समूह के रूप में शब्द निकलते हैं। इन ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ चिह्न निर्धारित होते हैं। ये चिह्न ही लिपि कहलाते हैं।
   प्रत्येक भाषा की अपनी एक विशेष लिपि होती है; जैसे–

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिन्दी	देवनागरी	पंजाबी	गुरुमुखी
संस्कृत	देवनागरी	तमिल	तमिल
मराठी	देवनागरी	अंग्रेजी	रोमन
नेपाली	देवनागरी	उर्दू	फ़ारसी

   (घ) व्याकरण वह शास्त्र है, जो हमें भाषा को शुद्ध लिखना, बोलना तथा पढ़ना सिखाता है।

अशुद्ध वाक्य/शब्द	शुद्ध वाक्य/शब्द
मीरा गाना गा रहा है	मीरा गाना गा रही है।
कल जाना पटना मुझे है।	मुझे कल पटना जाना है।
हरिश, बनदर, डीब्बा, टरक	हरीश, बन्दर, डिब्बा, ट्रक

2 वर्ण-विचार (Phonology)

मौखिक

1. भाषा की सबसे छोटी ध्वनि को वर्ण कहते हैं।
2. मात्रा
3. दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन को संयुक्त व्यंजन कहते हैं।

लिखित

1. (क) अयोगवाह; (ख) संयुक्त व्यंजन; (ग) संयुक्ताक्षर; (घ) वर्ण-विच्छेद; (ङ) र

2. (क) अंग, अँग ; (ख) आंगन, आँगन ; (ग) कंघी, कँघी ; (घ) ऊंट, ऊँट ; (ङ) खांखी, खाँसी ; (च) बंकर, बँकर; (छ) चांदी, चाँदी ; (ज) चंचल, चँचल ; (झ) पांच, पाँच ; (ञ) कंगारू, कँगारू

3. (क) जन्म, जन्माँध, जन्मजात ; (ख) विद्या, गद्य, विद्यालय ; (ग) न्याय, कन्या, अनन्या ; (घ) अच्छा, कच्छ, विच्छेद

4. (क) द् + अ + श् + अ + ह् + अ + र + आ
(ख) च् + इ + त् + अ + र् + अ + क् + आ + र् + अ
(ग) क् + अ + ल् + आ + क् + आ + र + अ
(घ) प् + र् + अ + क् + आ + श् + अ + क् + अ
(ङ) श् + र् + ऊ + त् + अ + ल् + ए + ख् + अ
(च) स् + अं + य् + ऊ + क् + त् + अ

5. संयुक्त व्यंजन = विश्राम, क्षमा, आज्ञा, चित्रकार
द्वित्व व्यंजन = सज्जन, दिल्ली, सम्मान, रस्सी

6. (क) वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते। वर्ण दो प्रकार के हैं–
1. स्वर, 2. व्यंजन।
(ख) स्वर किसी दूसरे वर्ण की सहायता के बिना बोले जाते हैं जबकि व्यंजन स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं।
(ग) जब व्यंजनों के बाद स्वरों का प्रयोग किया जाता है, तो उसका रूप बदल जाता है। उसके बदले रूप को ही मात्रा कहते हैं। अमरूद, आम, इमली, ईख।
(घ) दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन जो अपनी पहचान खो देते हैं, संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। दो भिन्न व्यंजनों के मेल से संयुक्ताक्षर बनते हैं।
(ङ) विच्छेद का अर्थ अलग करना होता है। किसी शब्द के प्रत्येक वर्ण को अलग करके योग के रूप में लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है; जैसे–
विद्यालय = व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ
ध्वनि = ध् + व् + अ + न् + इ
बनारस = ब् + अ + न् + आ + र् + अ + स् + अ

3 शब्द-विचार (Morphology)

मौखिक

1. वर्णों का क्रमबद्ध एवं सार्थक मेल शब्द कहलाता है।

2. चार

3. जिन शब्दों में लिंग, वचन और काल के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे विकारी शब्द होते हैं।

लिखित

1. तत्सम– भ्राता, दुग्ध, मातृ
तद्भव– गाँव, सूरज, दही
विदेशी– कॉलेज, पेन, डॉक्टर

2. (क) पाठशाला– स्कूल; (ख) मेघदूत– मेघों का दूत; (ग) रेलगाड़ी– रेल की पटरी पर चलने वाली गाड़ी; (घ) पटरानी– प्रधान रानी; (घ) स्नानघर– नहाने का स्थान

3. (क) ऊँट; (ख) कान; (ग) चाँद; (घ) चिट्ठी

4. (क) बादलों के समान काला; (ख) महान है जो देवता; (ग) पीला है वस्त्र जिसका; (घ) हाथी के समान मुख वाला

5. (क) वर्णों के क्रमबद्ध तथा सार्थक मेल को शब्द कहते हैं, जैसे– कान, काम, सूरज, घर आदि।
(ख) शब्दों को चार आधारों पर बाँटा जा सकता है–1. उत्पत्ति के आधार पर, 2. अर्थ के आधार पर, 3. बनावट के आधार पर तथा 4. प्रयोग के आधार पर।

4 संज्ञा (Noun)

मौखिक

1. संज्ञा

2. पक्षी, कक्षा, शिक्षक, बच्चा, छात्र आदि।

3. जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण, दोष, दशा, आदि का ज्ञान कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा शब्द कहते हैं।

लिखित

1. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓

2. (क) सुंदरता; (ख) भलाई; (ग) हँसी; (घ) शरारती; (ङ) मिठास

3. (क) भारीपन; (ख) हिंसा; (ग) मूर्खता; (घ) सुन्दरता; (ङ) गहराई; (च) चतुराई; (छ) सफाई; (ज) निजत्व; (झ) नीचता

4. (क) श्रीकृष्ण, रामायण, भगतसिंह ; (ख) हाथी, टीम, सोना ; (ग) बुढ़ापा, उदासी, बचपन

5. व्यक्तिवाचक संज्ञा– पृथ्वी, भारत, हिमालय, नेहा, समीर।
जातिवाचक संज्ञा – नदी, पक्षी, फल, स्त्री, विद्यार्थी।
भाववाचक संज्ञा – थकावट, नींद, दुख, आनंद, अहिंसा।

6. (क) किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – महाभारत, कुरुक्षेत्र, श्रीकृष्ण।
2. जातिवाचक संज्ञा – जंगल, शेर, गीदड़, हाथी।
3. भाववाचक संज्ञा – गरमी, थकान।

(ख) कुछ विद्वान संज्ञा के दो भेद और मानते हैं, परन्तु वास्तव में ये जातिवाचक संज्ञा के ही रूप हैं, ये हैं–
1. समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा ; 2. पदार्थवाचक या द्रव्यवाचक संज्ञा शब्द

(ग) जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण, दोष, दशा आदि का ज्ञान कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। इनकी रचना होती है– 1. जातिवाचक संज्ञा से, 2. सर्वनाम से, 3. क्रिया से 4. विशेषण से

5 संज्ञा के विकार: लिंग (Declension of Noun : Gender)

मौखिक

1. स्त्री या पुरुष जाति का पता चलता है।

2. स्त्रीलिंग

3. कुत्ता, कम्प्यूटर

लिखित

1. (क) स्त्रीलिंग; (ख) स्त्रीलिंग; (ग) पुल्लिंग; (घ) पुल्लिंग; (ङ) पुल्लिंग; (च) स्त्रीलिंग; (छ) स्त्रीलिंग; (ज) पुल्लिंग (झ) पुल्लिंग

2. (क) नागिन; (ख) सहपाठी; (ग) सम्राज्ञी; (घ) नर भालू; (ङ) भीलनी; (च) धोबिन

3. (क) आज अध्यापिका कक्षा में नहीं आई।
(ख) मेरी पड़ोसिन मुझे बहुत परेशान करती है।
(ग) सेठानीजी को मिठाई पसंद है।
(घ) मालिन पौधों को पानी दे रही है।
(ङ) कमरे में बालिका सो रही है।

4. (क) जो शब्द लिंग, वचन तथा कारक के कारण संज्ञा में विकार या परिवर्तन लाते हैं वे संज्ञा के विकारी तत्त्व कहलाते हैं।

(ख) शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष जाति के होने का बोध होता है, वह लिंग कहलाता है। प्रियंका, आम, छिपकली, अमिताभ बच्चन आदि।

(ग) कुछ शब्द सदा पुल्लिग रहते हैं; जैसे— पशु, पानी आदि।
कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग रहते हैं; जैसे— मछली, छिपकली आदि।

6 संज्ञा के विकार : वचन (Declension of Noun : Number)

मौखिक

1. विशेषण

2. संज्ञा के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का पता चलता है, उसे एकवचन कहते हैं।

3. हस्ताक्षर, आँसू, प्राण, दर्शन आदि।

लिखित

1. एकवचन – शब्दकोश, पौधा, खिलौना, अँगूठा, घड़ी
बहुवचन – खिड़कियाँ, माचिसें, पौधे, अध्यापिकाएँ, पुस्तकें

2. (क) तस्वीरें; (ख) लकड़ियाँ; (ग) घड़ी; (घ) चिड़िया; (ङ) झंडे; (च) भाषाएँ; (छ) साड़ी, (ज) वस्तु; (झ) मालाएँ

3. (क) मेहुल की बहनें अच्छे स्वभाव वाली हैं।

(ख) चुनाव में नेतागण वोट माँगने आते हैं।

(ग) मेरी माँ ने नई साड़ियाँ खरीदी हैं।

(घ) मिठाईयों पर मक्खियाँ भिनभिना रही हैं।

(ङ) बसों में महिलाओं के लिए अलग सीटें होती हैं।

4. (क) साधु ने चुहिया को लड़की बना दिया।
आश्रम में बहुत-से साधु रहते हैं।

(ख) बादल ने सूरज को ढक दिया।
बादल गरज रहे हैं।

(ग) फूल में खूशबू होती है।
फूल बगीचे में पौधों पर लदे पड़े हैं।

5. (क) संज्ञा या सर्वनाम की संख्या एक या अनेक (एक से अधिक) बताने वाले शब्द वचन कहलाते हैं।

वचन के भेद

वचन के दो भेद होते हैं, ये हैं–

1. एकवचन – तोता, मछली, मुरगा, तारा   2. बहुवचन – तोते, मछलियाँ, मुरगे, तारे

(ख) वचन बदलने से क्रिया भी बदल जाती है, जैसे– मेज पर पेन्सिल रखी है, मेज पर पेंसिलें रखी हैं।

(ग) वचन-परिवर्तन के नियम

1. 'अ' में 'एँ' जोड़कर–

पुस्तक	पुस्तकें	झील	झीलें

2. 'आ' में 'एँ' जोड़कर–

कविता	कविताएँ	कन्या	कन्याएँ

3. 'आ' हटाकर तथा 'ए' जोड़कर–

बच्चा	बच्चे	लड़का	लड़के

4. 'ई' को 'इ' में बदलकर आगे 'याँ' जोड़कर–

कुरसी	कुरसियाँ	तिथि	तिथियाँ

5. 'या' में अनुनासिक (ँ) जोड़कर–

बुढ़िया	बुढ़ियाँ	गुड़िया	गुड़ियाँ

कुछ शब्दों के बहुवचन बनाने के लिए उनमें लोग, वृन्द, गण, वर्ग, जन आदि शब्द जोड़ देते हैं; जैसे–

तुम	तुम लोग	गुरु	गुरुजन

7 संज्ञा के विकार : कारक (Declension of Noun : Case)

मौखिक

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सम्बन्ध वाक्यों के दूसरे शब्दों में जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं।

2. शब्दों को आपस में जोड़ने वाले शब्द कारक चिह्न कहलाते हैं।

3. अधिकरण के

लिखित

1. (क) (iii); (ख) (iv); (ग) (ii); (घ) (i); (ङ) (viii); (च) (vii); (छ) (vi); (ज) (v)

2. (क) पर; (ख) ने; (ग) के लिए; (घ) की; (ङ) की

3. (क) लिंकन ने कोयले से (के द्वारा) लिखकर पढ़ना सीखा।
(ख) राम ने रावण को मारा।
(ग) चाचाजी अमर के लिए किताबें लाएँ।
(घ) मोहन को रोजगार के लिए लाला की नौकरी करनी पड़ी।

4. (क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सम्बन्ध वाक्य के दूसरे शब्दों से जाना जाता है, वह कारक कहलाता है।
कारक के भेद –
कारक के आठ भेद होते हैं, ये हैं–
1. कर्त्ता, 2. कर्म, 3. करण, 4. सम्प्रदान, 5. अपादान, 6. सम्बन्ध, 7. अधिकरण, 8. सम्बोधन

(ख)

कारक	विभक्ति-चिह्न
कर्त्ता	ने
कर्म	को
करण	से, के साथ, के द्वारा
सम्प्रदान	के लिए, को (किसी को कुछ देने के भाव में)
अपादान	से (अलग होना)
सम्बन्ध	का, के, की
अधिकरण	में, पर
सम्बोधन	हे! अरे!

8 सर्वनाम (Pronoun)

मौखिक

1. सर्वनाम

2. वह, वे, यह, ये आदि

3. निजवाचक सर्वनाम

लिखित

1. (क) कौन; (ख) मैं; (ग) क्या; (घ) वही; (ङ) स्वयं

2. प्यास लगने पर मैं जंगल में पानी की खोज में आगे बढ़ा। मैंने देखा कि थोड़ी-दूरी पर एक कुआँ है। वहाँ कुछ बालक खड़े हैं। उनकी बातचीत से लग रहा था कि उनकी कोई चीज़ खो गई है। मुझे देखकर वे अपने-आप मेरे पास आ गए।

3.

	सर्वनाम शब्द	**भेद**
(क)	कहीं	अनिश्चयवाचक
(ख)	वे	निश्चयवाचक
(ग)	कहीं	अनिश्चयवाचक
(घ)	जो, वह	सम्बन्धवाचक, निश्चयवाचक
(ङ)	मेरा	पुरुषवाचक

4. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे–
अमित अमित की बहन के साथ स्कूल जाता है।
अमित अपनी बहन के साथ स्कूल जाता है। पहले वाक्य में अमित का दो बार प्रयोग हुआ है जिससे वाक्य अटपटा लग रहा है। दूसरे वाक्य में अमित के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग किया गया है जिससे वाक्य सही लग रहा है।

(ख) सर्वनाम के छः भेद होते हैं, ये हैं–
1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 2. निश्चयवाचक सर्वनाम, 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम, 5. सम्बन्धवाचक सर्वनाम, 6. निजवाचक सर्वनाम

(ग) **निश्चयवाचक सर्वनाम**– जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का निश्चित ज्ञान होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–वह, ये, वे आदि।
अनिश्चयवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का निश्चित ज्ञान न हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कुछ, किसने, किससे आदि।

9 विशेषण (Adjective)

मौखिक

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

2. जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।

3. जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की ओर संकेत करने के लिए प्रयोग किए जाते है, उन्हें संकेतवाचक विशेषण कहते हैं।

लिखित

1. गुणवाचक – जापानी, चालाक, लम्बाई, चटपटा।
संख्यावाचक – बतीस, एक दर्जन, पाँचवा, छः।
परिमाणवाचक – 100 किग्रा, तीन मीटर, दस किग्रा, थोड़ा।
संकेतवाचक – उस, वह, वे, यह

2. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (i); (घ) (v); (ङ) (vi); (च) (iv)

3. (क) ताजे; (ख) सुहावनी; (ग) सुदंर; (घ) हरी

4. (क) जो शब्द किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।
जैसे– कोमल, आसमानी, चतुर, मेला, सुन्दर, रसीला, नमकीन, खुशबूदार, ऊँचा आदि।

(ख) विशेषण के चार भेद होते हैं, ये हैं–
1. गुणवाचक विशेषण, 2. संख्यावाचक विशेषण, 3. परिमाणवाचक विशेषण, 4. संकेतवाचक विशेषण

संकेतवाचक विशेषण– जो विशेषण शब्द संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों की ओर संकेत करने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें संकेतवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे– तुम यहीं बैठो। वह अजय है।

10 क्रिया (Verb)

मौखिक

1. क्रिया

2. जिस क्रिया के दो कर्म होते हैं, उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं।

3. जब दो या दो से अधिक क्रियाओं का साथ-साथ प्रयोग हो, तो वह संयुक्त क्रिया कहलाती है।

लिखित

1. (क) सकर्मक; (ख) अकर्मक; (ग) संयुक्त क्रिया; (घ) नामधातु क्रिया; (ङ) प्रेरणात्मक क्रिया

2. (क) गोलाबारी; (ख) बर्फबारी; (ग) दिया; (घ) थे; (ङ) पुजारी।

3. (क) पढ़ना– हमें ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़नी चाहिए।
(ख) सोचना– कुछ करने से पहले सोचना चाहिए।
(ग) धोना– हमें खाना खाने से पहले और बाद में हाथ धोने चाहिए।
(घ) नापना– दुकानदार कपड़ा इंच टेप से नापता है।
(ङ) पहनना– हमे हमेशा साफ कपड़े पहनने चाहिए।
(च) तोड़ना– बगीचे से कभी-भी फूल नहीं तोड़ने चाहिए।

4. (क) जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे क्रिया शब्द कहते हैं।
कुछ अन्य क्रिया शब्द– दौड़ना, पीना, बोलना, हँसना, चलना, रोना, खाना, पढ़ना आदि।

(ख) क्रिया के दो भेद होते हैं, ये हैं–

1. **अकर्मक क्रिया**– वाक्य में जिस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग नहीं किया जाता, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– पक्षी उड़ रहे हैं। सोनम हँसती है। कपिल रो रहा है।
यहाँ पर तीनों ही वाक्यों में कोई कर्म नहीं है अर्थात यहाँ कर्त्ता के अतिरिक्त अन्य किसी पर क्रिया का प्रभाव नहीं पड़ रहा है; उड़ रहे हैं, हँसती है तथा रो रहा है अकर्मक क्रियाएँ हैं।

2. **सकर्मक क्रिया**– वाक्य में जिस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– अमित ने आम खाया। राहुल पतंग उड़ाता है। यशोदा दूध मथती है।
यहाँ पर 'आम', 'पतंग' और 'दूध' कर्म हैं; क्योंकि कर्त्ता के अतिरिक्त इन्हीं पर क्रिया का सर्वाधिक प्रभाव पड़ रहा है। अतः खाया, उड़ाता है तथा मथती है शब्द सकर्मक क्रियाएँ हैं।

(ग) संरचना की दृष्टि से क्रिया के पाँच भेद हैं–
1. सामान्य क्रिया, 2. संयुक्त क्रिया, 3. नामधातु क्रिया, 4. प्रेरणार्थक क्रिया, 5. पूर्वकालिक क्रिया

11 काल (Tense)

मौखिक

1. क्रिया के होने का समय काल कहलाता है।

2. बीते हुए समय को भूतकाल कहते हैं।

3. भविष्यत् काल

लिखित

1. भूतकाल– सो रही थी, खेला, सोचा।
   वर्तमान काल– पढ़ रहे हैं, रो रही है, गा रहा है।
   भविष्यत् काल– लिखेगा, नाचेगी, खाएगा।
2. (क) छुड़ा दिए थे; (ख) मनाई थी; (ग) पढ़ायेंगें; (घ) कर रहा हूँ; (ङ) जाएँगे; (च) गा रही हैं।
3. (क) अध्यापिका स्वामी विवेकानन्द के बारे में बताएँगी।
   (ख) मेहुल छत पर बैठकर पढ़ रहा है।
   (ग) भारतीय टीम यह मैच जीतकर सेमीफाइनल में चली जाएँगी।
   (घ) अगर तुम परिश्रम करते तो अवश्य सफल हो जाते।
   (ङ) भ्आरत बन्द के कारण आज लोगों को बहुत परेशानी हो रही है।
   (च) विनीत समय पर विद्यालय पहुँच गया था।
4. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (iv); (घ) (iii)
5. (क) काल का अर्थ होता है–क्रिया के होने का समय।
   बढ़ई मेज़ बनाता है। मैंने अभी खाना खाया। रेलगाड़ी एक घंटा लेट आएगी।
   (ख) काल के तीन भेद होते हैं, ये हैं– 1. भूतकाल, 2. वर्तमान काल, 3. भविष्यत् काल

12 अविकारी शब्द (Indeclinable Words)

मौखिक

1. जिन शब्दों में वचन, लिंग, कारक आदि से कोई बदलाव नहीं होता है, उसे अविकारी शब्द कहते हैं।
2. विशेष्य
3. जो शब्द दो वाक्यों या वाक्यांशों को जोड़ते हैं, उसे समुच्चयबोधक क्रिया कहते हैं।

लिखित

1.

	क्रिया-विशेषण	भेद
(क)	धीरे-धीरे	रीतिवाचक विशेषण
(ख)	आज	कालवाचक
(ग)	अच्छा	विस्मयादिबोधक
(घ)	मीठा	रीतिवाचक
(ङ)	के कारण	हेतुसूचक सम्बन्धबोधक

2. (क) के बिना; (ख) की तरह; (ग) के अन्दर; (घ) के साथ; (ङ) के पास
3. (क) वचन, लिंग, कारक, आदि के परिवर्तन से जिन शब्दों में कोई बदलाव नहीं होता, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं।
   (ख) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों में सम्बन्ध बताने वाले शब्द सम्बन्धबोधक कहलाते हैं।
   सम्बन्धबोधक के भेद हैं—कालसूचक, दिशासूचक, समतासूचक, साधनसूचक, सहचरसूचक, हेतुसूचक, व्यतिरेकसूचक, स्थानसूचक, विरोधसूचक।

13 वाक्य-विचार (Etymology)

मौखिक

1. वाक्य
2. निषेधवाचक

3. 8 प्रकार के

लिखित

1.	**उद्देश्य**	**विधेय**
(क)	रोहित	किताब पढ़ रहा है
(ख)	जंगल में	मोर नाच रहा है
(ग)	विद्यार्थी	परीक्षा दे रहे हैं
(घ)	मयूरी का छोटा भाई	खेल रहा है
(ङ)	एक छोटी-सी लड़की	अच्छा नाच रही है

2. (क) सरल वाक्य; (ख) संयुक्त वाक्य; (ग) मिश्र वाक्य; (घ) सरल वाक्य; (ङ) संयुक्त वाक्य; (च) मिश्र वाक्य

3. (क) विस्मयादिबोधक; (ख) निषेधात्मक; (ग) प्रश्नवाचक; (घ) सन्देहवाचक; (ङ) संकेतवाचक; (च) विस्मयादिबोधक

4. (क) शायद, मैं आपके साथ जाऊँ।
(ख) अरे! कल कौन आया था?
(ग) यदि तुम परिश्रम करते, तो सफल हो जाते।
(घ) तुम्हारा भला कौन करेगा?
(ङ) सोहन तुम बाजार जाओ।

5. (क) अर्थ प्रकट करने वाले सार्थक शब्दों के व्यवस्थित समूह को वाक्य कहते हैं। जैसे– पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं।
(ख) रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं– 1. सरल वाक्य, 2. संयुक्त वाक्य, 3. मिश्र वाक्य
(ग) अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं, ये हैं–
1. विधानवाचक वाक्य, 2. प्रश्नवाचक वाक्य, 3. आज्ञावाचक वाक्य, 4. निषेधवाचक वाक्य,
5. इच्छावाचक वाक्य, 6. सन्देहवाचक वाक्य, 7. संकेतवाचक वाक्य, 8. विस्मयादिबोधक वाक्य

14 शब्द-भंडार (Vocabulary)

1. पर्यायवाची शब्द

मौखिक

1. पर्यायवाची

2. घर

3. सखा, दोस्त

लिखित

1. (क) वैरी; (ख) सुरसरि; (ग) कामना; (घ) उपवन; (ङ) दिवाकर

2. (क) हमें धरती पर पेड़ लगाने चाहिए।
(ख) आकाश में मेघ छाए हुए हैं।
(ग) वन में अनेक पशु होते हैं।
(घ) सुबह होने पर रवि निकलता है।
(ङ) नृप ने दरिद्रों को वस्त्र दान में दिए।

3. (क) (v); (ख) (vi); (ग) (iv); (घ) (iii); (ङ) (ii); (च) (i)

2. विलोम शब्द

1. (क) चढ़ाव; (ख) सौभाग्य; (ग) अन्त; (घ) बुद्धिमान; (ङ) आय; (च) अग्रज; (छ) आदर; (ज) श्याम

2. (क) नए; (ख) नफरत; (ग) देश; (घ) दक्षिण; (ङ) नरक, राक्षस

3. श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द

1. बेल, कपाट, गृह

2. (क) राज; (ख) दीन; (ग) दिशा; (घ) शौक; (ङ) ओर; (च) सामान

4. अनेकार्थी शब्द

1. (क) पैर, दोहों के पद; (ख) समय, मृत्यु ; (ग) बाण, नदी का किनारा; (घ) घड़ा, कम; (ङ) माला, पराजय; (च) आकाश, कपड़ा।
2. (क) कर (टैक्स); (ख) अंक (गोद); (ग) भागों (हिस्सों); (घ) उत्तर (दिशा); (ङ) स्वर (आवाज)

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1. (क) (iv); (ख) (iii); (ग) (vi); (घ) (v); (ङ) (i); (च) (ii)
2. (क) ईश्वर निराकार है। (ख) प्रणव कामचोर है। (ग) शकुन कटुभाषी है।
   (घ) विशाल मुकुन्द का अग्रज है। (ङ) अजय निडर है।

15 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ (Idioms and Proverbs)

1. (क) हाथ मिलाना; (ख) चार चाँद लगाना; (ग) ईद का चाँद; (घ) मक्खी मारना
2. (क) मूर्ख — अक्ल का अन्धा व्यक्ति किसी की नहीं सुनता।
   (ख) डराना — अध्यापक के आँख दिखाते ही बच्चे चुप हो गए।
   (ग) सावधान होना — घर में खुसफुसाहट सुनकर मोहित के कान खड़े हो गए।
   (घ) अपनी बुराई दिखाई न देना — सबको सदाचार का उपदेश देते फिरते हो, मगर अपने बेटे की करतूत पर भी नज़र डालकर देखा, तो पता चलेगा कि यहाँ, तो चिराग तले अँधेरा ही अँधेरा है।
   (ङ) ललचा जाना — बाजार में जलेबियाँ बनती देख मेरे मुहँ में पानी आ गया।
3. (क) (v); (ख) (iv); (ग) (i); (घ) (ii); (ङ) (vii); (च) (viii); (छ) (iii); (ज) (vi)

16 विराम-चिह्न (Punctuation Marks)

मौखिक

1. वाक्य बोलते समय या लिखते समय विराम करने वाले चिह्नों को विराम चिह्न कहते हैं।
2. लाघव चिह्न
3. अर्धविराम का चिह्न (;)

लिखित

1. (क) विराम चिह्न का अर्थ है रुकना।
   (ख) बोलते समय विराम देने के लिए रुकना पड़ता है।
   (ग) **प्रश्नवाचक चिह्न (?)**– प्रश्नसूचक वाक्यों के अन्त में प्रश्नवाचक चिह्न (?) का प्रयोग किया जाता है; जैसे–
   (क) तुम्हारा क्या नाम है? (ख) तुम कहाँ जा रहे हो?
   विस्मयादिबोधक चिह्न (!)– शोक, घृणा, आश्चर्य, हर्ष आदि भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग किया जाता है; जैसे–
   (क) छिः! कितना गन्दा है। (ख) वाह! यह तो बहुत सुन्दर है। (ग) अरे! यह क्या हो गया।
2. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (vi); (घ) (ii); (ङ) (iv); (च) (v)
3. (क) अरे! तुम तो बहुत अच्छे हो। (ख) माँ, मैं भी तुम्हारे साथ जाऊँगी।
   (ग) डॉ0 साहब पापा से मिलने आए। (घ) मजदूर दिन रात काम क्यों करता है?
   (ङ) सोनू, मोनू बाजार नहीं गए।

Notes